पकौड़ी-कचौड़ी

सौरव, गौरव थे दो भाई
पकौड़ी, कचौड़ी पर हुई लड़ाई।
सौरव कहता - मेरी पकौड़ी।
गौरव कहता - मेरी कचौड़ी।
झगड़ा सुनकर मौसी आई,
दोनों को फिर चपत लगाई।
चौकी पर बिठाया उनको
मौसी ने समझाया उनको।
सबकी थी दो-दो कचौड़ी।
सबकी थी दो-दो पकौड़ी।
अपनी खा कर दौड़ लगाओ,
चौकीदार से चाबी लाओ।
अब मत लड़ना दोनों भाई,
नहीं तो होगी बहुत पिटाई।